INDIA TV PAISA

रेपो रेट में कमी का लाभ बैंकों द्वारा ग्राहकों तक पहुंचाने से रियल्टी सेक्टर को होगा फायदा, बढ़ेगी घरों की मांग

क्रेडाई के चेयरमैन जैक्सी शाह ने कहा कि उद्योग रेपो दर में कटौती का इंतजार कर रहा था। अगला कदम यह होना चाहिए कि बैंक और वित्तीय संस्थान निचली दरों का लाभ कर्ज लेने वालों को दें।

Photo:REPO RATE CUT

Repo rate cut to boost housing demand if banks pass on benefit to customers

नई दिल्ली। रीयल एस्टेट उद्योग का कहना है कि रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में कटौती के फैसले से घरों की मांग में सुधार होगा, बशर्ते बैंक इसका लाभ उपभोक्ताओं को स्थानांतरित करें। रिजर्व बैंक ने गुरुवार को रेपो दर को 0.25 प्रतिशत घटाकर 5.75 प्रतिशत कर दिया है, जो इसका करीब नौ साल का निचला स्तर है। क्रेडाई के अफोर्डेबल हाउसिंग कमेटी के चेयरमैन और गौर ग्रुप के एमडी मनोज गौर ने कहा कि दरों में कटौती रीयल एस्टेट उद्योग की दृष्टि से अच्छी है। इससे उद्योग पर उल्लेखनीय रूप से सकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि रेपो दर में कटौती का लाभ कर्ज लेने वालों को मिलेगा।

क्रेडाई के चेयरमैन जैक्सी शाह ने कहा कि उद्योग रेपो दर में कटौती का इंतजार कर रहा था। अगला कदम यह होना चाहिए कि बैंक और वित्तीय संस्थान निचली दरों का लाभ कर्ज लेने वालों को दें। क्रेडाई पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष और एबीए कॉर्प के डायरेक्टर अमित मोदी ने कहा कि दर कटौती से बाजार में उत्साह आएगा लेकिन नकदी संकट के मुद्दे से निपटने के लिए और कदम उठाने की जरूरत है। हम उम्मीद करते हैं कि बैंक इस कटौती का फायदा जल्द से जल्द ग्राहकों तक पहुंचाएंगे जिससे सुस्ती पड़ी घरों की मांग में एक बार फिर तेजी आएगी।

सिग्नेचर ग्लोबल के सह-संस्थापक और चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि रिजर्व बैंक का निर्णय निश्चित रूप से रीयल एस्टेट उद्योग के लिए लाभकारी होगा। सीबीआरआई के चेयरमैन और सीईओ अंशुमान मैगजीन ने कहा कि ब्याज दर में कमी और और बजट के प्रोत्साहनों से पूरी अर्थव्यवस्था और खास कर रियल एस्टेट क्षेत्र के ग्राहकों का हौसला बढ़ेगा। भूटानी इंफ्रा के सीईओ आशीष भूटानी ने कहा कि रेपो दर में कटौती का रीयल एस्टेट क्षेत्र पर सीधा असर होगा। बशर्ते बैंक भी इतनी ही कटौती का लाभ ग्राहकों को दें।